दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 46 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शनिवार, 15 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

भ्रष्टाचार का निदान कैसे हो ?
24 को निरंकारी मिशन मानव एकता दिवस पर ...

मूल्य- 2 रु.

सैनिकों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं : सीएम धामी

मुख्यमंत्री ने किया सीडीएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा का अनावरण तथा स्मारक का लोकार्पण

देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत की स्मृति को चिरस्थायी बनाये जाने के लिये उनके नाम पर रखी जायेगी प्रदेश की कोई बड़ी परियोजना : मुख्यमंत्री

सैनिकों के सपनों का उत्तराखण्ड बनाना हमारा लक्ष्य है।

सैन्य सेवा हमारे लिये मात्र रोजगार का अवसर नहीं, वरन देश एवं समाज के लिये जीवन समर्पित करने का उत्कृष्ट अवसर भी है।

लगभग 50 लाख की लागत से एम.डी.डी.ए. द्वारा निर्मित की गई है प्रतिमा तथा स्मारक स्थल।

सुमित तिवारी, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कनक चौक, देहरादून में देश के पहले सीडीएस जनरल पद्म विभूषण बिपिन रावत की प्रतिमा तथा स्मारक स्थल का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनरल विपिन रावत की स्मृति को चिरस्थायी बनाये जाने के लिये प्रदेश की किसी बड़ी परियोजना को नाम उनके नाम पर रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि यह भव्य प्रतिमा तथा स्मारक स्थल जनरल बिपिन रावत के शौर्य, अदम्य साहस और वीरता का स्मरण कराने के साथ ही युवाओं को प्रेरणा देने का कार्य करेगा। सीडीएस जनरल रावत की प्रतिमा तथा स्मारक स्थल का निर्माण एमडीडीए द्वारा लगभग 50 लाख की लागत से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सीडीएस जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी आकस्मिक मृत्यु से देश को जो अपूरणीय क्षति पहुंची है, उसकी भरपाई कभी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है तथा भारतीय सेना के गौरवमयी इतिहास में उत्तराखण्ड के सैनिकों का विशिष्ट योगदान रहा है। उत्तराखण्ड के युवाओं का सेना में शामिल होना प्रमुख प्राथमिकता रही है। सैन्य सेवा हमारे लिये मात्र रोजगार का अवसर नहीं, वरन देश एवं समाज के लिये जीवन समर्पित करने का उत्कृष्ट अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व.जनरल बिपिन रावत की मातृभूमि के लिए चार दशकों की निस्वार्थ सेवा असाधारण वीरता और रणनीतिक कौशल से परिपूर्ण थी। जीवन के अंतिम दिन तक वे केवल और केवल देश के लिए ही जीए। उनका सेनाध्यक्ष तथा प्रथम सीडीएस बनना ,ये स्पष्ट दर्शाता है कि वे कितने योग्य जनरल थे। सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण तथा देश को रक्षा आवश्यकताओं के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाये जाने हेतु स्व. जनरल बिपिन रावत द्वारा विशेष प्रयास किये गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान उनका मार्गदर्शन सैनिकों के बहुत काम आया। उनके अनुकरणीय योगदान और प्रतिबद्धता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने वीरता के नए नए प्रतिमान स्थापित किए। देश के साथ - साथ उत्तराखंड से भी उनका बड़ा लगाव था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिक पुत्र होने के नाते उनका भी सेना के प्रति जुड़ाव रहा है। बचपन में वे भी सेना का हिस्सा बनना चाहते थे। 2021 में जनरल बिपिन रावत को जब ज्ञात हुआ कि मेरे पिता महार रेजिमेंट में रहे हैं तो उन्होंने महार रेजिमेंट सेंटर सागर जाने का कार्यक्रम बनाने तथा स्वयं भी वहां जाने की इच्छा जतायी थी किन्तु इस दुखद घटना के कारण महार रेजिमेंट सागर के कार्यक्रम में उन्हें उनका सानिध्य नहीं मिल पाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सैनिकों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। देहरादून के गुनियाल गांव में प्रदेश के शहीदों की शहादत स्मृतियों को यादगार बनाने के लिये भव्य "शौर्य स्थल" (सैन्य धाम) का निर्माण किया जा रहा है। इस साल के अंत तक इसे पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड राज्यधीन सेवाओं में शहीद सैनिक के आश्रितों को जिलाधिकारी कार्यालय में समूह 'ग' अथवा 'घ' में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति प्रदान करने का कार्य भी कर रही है, अभी तक करीब 23 आश्रितों को नियुक्ति दी जा चुकी है। साथ ही विभिन्न युद्धों व सीमान्त झड़पों तथा आंतरिक सुरक्षा में शहीद हुये सैनिकों की विधवाओं व आश्रितों को एकमुश्त दस लाख का अनुग्रह अनुदान भी अनुमन्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युद्ध विधवा या युद्ध में अपंग सैनिकों को दो लाख रुपए तक की आवासीय सहायता भी प्रदान भी की जा रही है। जबकि सैनिक विधवाओं की पुत्री एवं पूर्व सैनिकों की अनाथ पुत्रियों के विवाह हेतु एक लाख रूपये का अनुदान देने की भी व्यवस्था की गई है।

श्रेय पाने के 'भूखे लोगों' और 'राज करने की भावना' ने देश का बहुत अहित किया: प्रधानमंत्री

गुवाहाटी, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में हुए विकास की चर्चा से कुछ लोगों को बहुत परेशानी होती है और श्रेय पाने के ऐसे 'भूखे लोगों' व 'राज करने' की उनकी भावना ने देश का बहुत अहित किया है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में 1,123 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए आयोजित एक समारोह में यह भी कहा कि ऐसी भावना रखने वालों को उत्तर पूर्व के राज्य दूर लगते थे लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार समर्पण भाव से वहां की सेवा करती है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर में सामाजिक बुनियादी ढांचे में आमूलचूल सुधार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मोदी ने कहा, ''आजकल एक नयी बीमारी देखने को मिल रही है। मैं देश में कही भी जाता हुं, पिछले नौ वर्षों में हुए

विकास की चर्चा करता हूं तो कुछ लोगों को बहुत परेशानी हो जाती है। ये नयी बीमारी है उनकी शिकायत। वे शिकायत करते हैं कि दशकों तक उन्होंने भी देश पर राज किया है लेकिन उन्हें क्रेडिट क्यों नहीं मिलता?'' उन्होंने कहा, ''क्रेडिट के भूखे लोगों और जनता पर राज करने की भावना ने देश का बहुत अहित किया है।''

जनता को ईश्वर का रूप करार देते हुए मोदी ने कहा कि ''पहले वाले क्रेडिट के भूखे थे'' इसलिए पूर्वोत्तर उन्हें दूर लगता था। मोदी ने कहा, ''एक पराएपन का भाव उन्होंने पैदा कर दिया था।

केजरीवाल को CBI का नोटिस: शराब नीति केस में 16 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति केस में CBI ने पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने उन्हें 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे CBI दफ्तर बुलाया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आम आदमी पार्टी से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है। नोटिस मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को जेल में डालने की साजिश कर रही है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। केजरीवाल ने 13 दिन अनशन रखकर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। प्रधानमंत्री जी, आपने अपने दोस्त के साथ मिलकर लाखों करोड़ रुपए का जो घोटाला किया है वह देश को बताना जरूरी है। अरविंद केजरीवाल के दिल्ली विधानसभा में बयान के बाद नोटिस देकर उन्हें धमकाने का प्रयास किया गया है।

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त : अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (हिप्र)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है।यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए ठाकुर ने तृणमूल सरकार पर मध्याह्न भोजन योजना के सिलसिले में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में हराने के लिए विपक्षी दलों द्वारा गठबंधन बनाने की कोशिश पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार में डूबे सभी दल एक दूसरे का हाथ पकड़ रहे हैं।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

RLD की मान्यता छिनने के बाद अब पश्चिमी यूपी में तेज होगी जाट वोट बैंक पर कब्जे की जंग

भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं।

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकदल यानी आरएलडी की मान्यता खत्म होने से छोटे चौधरी जयंत सिंह की सियासत पर ग्रहण लग गया है। इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने सहित कई सरकारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसान नेता चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी की राजनैतिक पारी पर यदि विराम लग जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जयंत चौधरी के पास आगे की सियासत चलाने के लिए अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। अब या तो वह अपनी पार्टी को किसी और समान विचारधारा वाले दल में समाहित कर लें या फिर पार्टी को पुनः खड़ा के लिए संघर्ष करें, जो आसान नहीं है। रालोद की क्षेत्रीय दल की मान्यता छिनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। रालोद के वोटरों को अपने लिए नये विकल्प तलाशने होंगे। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ बहुजन समाज पार्टी को भी फायदा हो सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में करीब पांच दशकों के बाद ऐसा मौका आया है, जब चौधरी चरण सिंह के खानदान की राजनैतिक विरासत पूरी तरह से खत्म होती नजर आ रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं। बताते चलें कि राष्ट्रीय लोकदल नाम की पार्टी बनाने का सपना सबसे पहले अजीत सिंह के पिता पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी चरण सिंह ने 1974 के चुनाव में देखा था। उन्होंने ही लोकदल के नाम से पार्टी की मान्यता के लिए आवेदन किया। लेकिन मान्यता नहीं मिली। इसके कारण चौधरी चरण सिंह के उम्मीदवारों ने बीकेडी के बैनर से ही चुनाव लड़ा, लेकिन चुनावी सभाओं में लोकदल का नया बैनर भी लहराया जाता था। देश के कई दिग्गज कर्पूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि इस दल में साथ रहे। इस चुनाव में इगलास व गंगीरी सीट बीकेडी ने जीती। इमरजेंसी के बाद सातों सीटों पर कब्जे का इतिहास भी 1977 में चरण सिंह के नेतृत्व में रचा गया।

1985 के चुनाव में लोकदल का उदय हुआ। पार्टी के बैनर पर इगलास व खैर सीट पर जीत दर्ज हुई। इसी चुनाव में मुलायम सिंह पार्टी में शामिल हुए। जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप से बचने के लिए मुलायम सिंह को विरोधी दल के नेता का जिम्मा और राजेंद्र सिंह को प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा दिया गया। 1989 के चुनाव में पिता के देहांत के बाद अजित सिंह के हाथ पार्टी की कमान आई। यह चुनाव जनता दल के बैनर तले लड़ा गया, लेकिन पार्टी अलीगढ़ में हार गई। सिर्फ एक खैर सीट जीत सकी।

भ्रष्टाचार का निदान कैसे हो ?

निशिकांत ठाकुर

> बीजेपी ने एक अप्रैल को ट्वीट कर कहा था कि वह कांग्रेस के भष्ट्राचारों का खुलासा करने के लिए पूरी तरह तैयार है. इसी को लेकर बीते दिन भी एक छोटा वीडियो क्लिप जारी किया था. इसमें सोनिया गांधी और यूपीए के समय के घोटालों- २ जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन घोटालों को दिखाया गया है।

भ्रष्टाचार कोई आज की समस्या नहीं ,यह आदिकाल की समस्या रही है । पहले राजा महाराजा द्युत क्रीड़ा खेलते थे, लेकिन अब जो माहौल देश में बन गया है, उसमें सभी द्युत क्रीड़ा नही बल्कि भ्रष्टाचार --भ्रष्टाचार खेलने लगे हैं । अब यह राजा महाराजाओं का खेल न होकर राजनीतिज्ञों का हो गया है। पिछले सप्ताह भ्रष्टाचार पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक सुर में ऐसा माहौल बना दिया, जिससे ऐसा लगने लगा है कि सारा देश भ्रष्टाचार रूपी समुद्र में डूबकर आत्महत्या करने पर उतारू हो गया है । ऐसा इसलिए कि जब भारत के सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्री कहते हैं कि ₹कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए ₹ ; क्योंकि भ्रष्टाचारियों ने अपना एक अलग मंच बना लिया है और उन्होंने अपने बचाव के लिए इस मंच पर इकठ्ठा होना शुरू कर दिया है । प्रधानमंत्री यह भी कहते हैं कि उनका एक मात्र उद्देश्य मेरी छवि को बदनाम करना है, जिसके लिए ऐसे भ्रष्टाचारियों ने एक दूसरे को सुपारी दे दी है। दूसरी ओर राहुल गांधी सच में प्रधानमंत्री पर पूरी तरह आक्रामक हो गए हैं । इसी भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस द्वारा उन्हें संसद में घेरा गया और बाहर तो हंगामा मचा हुआ ही है । प्रधानमंत्री की यह बात सच है कि सभी विपक्षी एक मंच पर आते जा रहे हैं और देश का माहौल गर्म होता जा रहा है । वहीं खुलकर प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार पर मोर्चा खोलने के लिए दिल्ली के वर्तमान मुख्यमंत्री सक्रिय हो गए हैं । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि अदानी तो कठपुतली हैं। सारा पैसा और ज्ञान प्रधानमंत्री मोदी से उन्हें मिलता है। इतना खुले आम आरोप संभवतः देश के किसी प्रधानमंत्री पर आज तक किसी ने नहीं लगाया होगा । आज की तारीख में देश में जो हंगामा बरपा है, वह इन्हीं मुद्दों पर शत प्रतिशत आश्रित है । भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ 'कांग्रेस फाइल्स' का पहला एपिसोड जारी किया है. बीजेपी का दावा है कि वह इसके जरिए कांग्रेस की तरफ से किए गए सभी भष्ट्राचारों की पोल खोलेगी । पहले एपिसोड में कांग्रेस राज के घोटालों को बताते हुए बीजेपी ने विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा। बीजेपी ने "कांग्रेस फाइल्स" का पहला एपिसोड ट्वीट कर कहा कि इस एपिसोड में देखिए कैसे कांग्रेस राज में एक के बाद एक भ्रष्टाचार और घोटाले हुए। बीजेपी ने एक अप्रैल को ट्वीट कर कहा था कि वह कांग्रेस के भष्ट्राचारों का खुलासा करने के लिए पूरी तरह तैयार है. इसी को लेकर बीते दिन भी एक छोटा वीडियो क्लिप जारी किया था. इसमें सोनिया गांधी और यूपीए के समय के घोटालों- 2 जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन घोटालों को दिखाया गया है. कांग्रेस शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार पर भारतीय जनता पार्टी ने वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शासन काल में 1.86 लाख करोड़ रुपए का कोयला घोटाला , 1.76 लाख करोड़ रुपए का 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, 30 लाख करोड़ का मनरेगा घोटाला , 70,000 करोड़ रुपए का कॉमनवेल्थ घोटाला, इटली से हेलीकॉप्टर सौदे में 362 करोड़ रुपए की घूस , रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के लिए 12 करोड़ रूपए की घूस की घटनाएं हुई थींL। वीडियो संदेश के अंत में भाजपा ने कहा, यह तो कांग्रेस के भ्रष्टाचार की सिर्फ झांकी है, फिल्म अभी खत्म नहीं हुई है । इससे पहले कांग्रेस ने भी अदानी मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला था और ₹हम अदानी के हैं कौन₹ अभियान के तहत सवालों के कई सेट जारी किए थे । पार्टी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने विभिन्न परियोजनाओं में अदानी समूह को एकाधिकार दे दिया है । भाजपा पर मनमानी करने का आरोपःभाजपा के शासन में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह है कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता रद्द करने का कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। कांग्रेस, भाजपा पर मनमानी करने और जनता की आवाज को दबाव का आरोप लगा रही है। इसी मामले को लेकर शहर के विश्राम गृह में पत्रकारवार्ता रखी गई। किसान सेल के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला, विधायक आशीष छाबड़ा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बंसी पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि देश में आम आदमी की आवाज उठाना और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह हो गया है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष और 4 बार के सांसद राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं दिया जाता। उनका माइक बंद कर दिया जाता है। सूरत की सत्र अदालत से जमानत की अवधि बढ़ाए जाने के एक दिन बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को अडानी कंपनियों में धन के लेन-देन पर फिर से सवाल उठाया है. उन्होंने खुले शब्दों में पूछा कि अडानी की शेल कंपनी में 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं? राहुल गांधी केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के लिए कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने न्यायपालिका पर दबाव बनाने के बीजेपी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, मेरा एकमात्र सवाल ये है कि अडानी शेल कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपये किसके हैं।

केजी बालकृष्ण आयोग पर बाबासाहेब के दृष्टिकोण लागू करने का दायित्व

प्रवीण गुगनानी

एक गोंडी मुहावरा है- बुच्च बुच्च आयाना कव्वीते पालकी रेंगिना अर्थात आगे आगे होना किंतु अपने मूल विषय पर कुछ भी ध्यान न देना। रंगनाथ मिश्र आयोग के संदर्भ में यह गोंडी कहावत सटीक लगती है। रंगनाथ मिश्र आयोग के बाद मोदी सरकार द्वारा केजी बालकृष्ण आयोग का गठन आरक्षण के दुरुपयोग को जांचने, मापने और थामने का एक संवेदनशील प्रयास है। रंगनाथ मिश्र आयोग के माध्यम से कांग्रेस और मनमोहन सरकार ने एक ओर जहां अपनी चिरकालिक तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ाया वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समाज को भी बैसाखियों पर चलाने और आत्मनिर्भर न होने देकर उसे मात्र एक वोट बैंक बनाये रखने की अनैतिक राजनीति जारी रखी थी। केजी बालकृष्ण आयोग से आशा है कि वह बाबासाहेब के भाव अनुरूप होकर भारत में आरक्षण के अंतर्तत्व, अंतर्भाव व अंतरात्मा को बनाए रखने में सार्थक सिद्ध होगा।

भाजपा एससी कोटे में दलित मुस्लिम और दलित ईसाइयों को शामिल करने का सतत और स्पष्ट विरोध करती आई है। संविधान के अनुसार हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के चिन्हित लोगों को ही अनुसूचित जाति का दर्जा मिलता है। पार्टी का मानना है कि इससे धर्म परिवर्तन और तेजी से बढ़ेगा। मुस्लिम और ईसाई धर्म के लोग भी इस दर्जे की मांग कर रहे हैं।

आरक्षण की व्यवस्था का लाभ उसके मूल हितग्राही को न मिलने से क्या स्थितियां बन रही है? आरक्षण का अधिकतम लाभ समाज के छद्म दलित, अवसरवादी दलित और अपने ही दलित समाज को उपेक्षा और हास्य की दृष्टि से देखने वाले तथाकथित दलितों को मिलने से दलित व जनजातीय समाज पर कितना विषाक्त प्रभाव पड़ रहा है या पड़ेगा ? इन दुष्प्रभावों को हमारा समाज प्रत्यक्ष देख रहा है। वस्तुतः अम्बेडकर जी के कार्यों को, स्वप्नों को, सोच को यदि हम यथार्थ के धरातल पर उतारना चाहते हैं तो हमें उनके सम्पूर्ण विचार, लेखन और रचना संसार के मूल तत्व और सत्व को समझना होगा। अंबेडकर जी केवल आरक्षण नही अपितु आरक्षण के वैज्ञानिकीकरण, युक्तियुक्त करण और आरक्षण के सामयिकी करण के घोर पक्षधर थे। वह आरक्षण ही क्या जिसका लाभ सर्वाधिक दीन हीन हितग्राही को मिल न पाए और उसमें लीकेजेस इतने हो जाएं कि अम्बेडकर जी का मूल विचार और लक्ष्य ही धराशायी हो जाए। कितनी बड़ी विडंबना है कि आज आरक्षण की अस्सी प्रतिशत सुविधाओं का लाभ ऐसे 20 प्रतिशत ऐसे नकली अनुसूचित और अनु. जनजातीय उठा रहें हैं जो लोभ लालच में इस देश से बाहर के धर्म में कन्वर्ट हो गए हैं। ये कथित 20 प्रतिशत अन्य धर्म में कनवर्ट लोग दलित समाज को मिलने वाले आरक्षण का बेतरह शोषण, दोहन कर रहे हैं। ये लोग अपने समाज के अन्य लोगों से रोटी बेटी का व्यवहार भी नहीं रखते। ये मतांतरित अनुसूचित जाति और जनजातीय के लोग अपने ही लोगो के प्रति घृणा, निकृष्टता और हास्य व्यंग्य का भाव रखते हैं। ये 20 प्रतिशत कन्वर्टेड ईसाई और मुस्लिम अपने कॉकस से, चतुराई से, धन बल से व अपनी राजनैतिक शक्ति से आरक्षण की सुविधाओं को अपने कन्वर्टेड कुनबे तक सीमित किए रहते हैं। आज यदि बाबासाहेब जीवित होते तो विदेशी धर्म को अपनाने वाले इन लोगों की आरक्षण सुविधाएं तत्काल समाप्त कर देते। अब देश के नीति निर्धारकों को सोचना होगा की मुस्लिम समाज को ओबीसी आरक्षण दिया जाना कैसे उचित है? वस्तुतः ओबीसी आरक्षण का ताना बाना ही पिछड़ी हिंदू जातियों के उन्नयन के लिए बुना गया था। इस्लाम की ओर से सदैव कहा जाता है कि उनके धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है, यह भी कहा जाता है कि इस्लाम में हर मुसलमान बराबर है। जब उनमें जाति व्यवस्था ही नहीं है, सब बराबर हैं तो पिछड़ी जातियों को मिलने वाला आरक्षण उन्हे क्यों मिलना चाहिए? इस्लाम के अनुसार हर मुसलमान बराबर है। जाति व्यवस्था मुक्त होने का दंभ ईसाई धर्म भी भरता है, जब जाति ही नहीं है, उपेक्षा और भेदभाव ही नहीं है तो जातिगत आरक्षण का लाभ क्यों? वस्तुतः यह बीमारी तुष्टिकरण की देन है। कितनी बड़ी विसंगति है कि अभी हाल ही वर्षों तक भारत में हिंदुओं पर 800 वर्षों तक शासन करने वाले, उस शासन में विशेष नागरिक का दर्जा प्राप्त करने वाले, हमारा दमन करने वाले मुसलमानो की नब्बे प्रतिशत जनसंख्या ओबीसी में सम्मिलित होकर आरक्षण का अवैध लाभ उठाना चाहती है??!! स्मरण रहे कि शेख, सैय्यद, मुग़ल पठान को छोड़कर बाकि सभी मुस्लिम जातियां ओबीसी में आती हैं। मुस्लिम समाज को उच्च सामाजिक स्थान मिलता था, आठ सौ वर्षों तक हिंदुओं के मुक़ाबले कम टैक्स देना पड़ता था, इन्हें शासन से बहुत सी अतिरिक्त सुविधाये भी मिलती थी तो वो पिछड़े कैसे हो गए।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

राज्य सरकार पूरी तरह से शहीद के परिवार के साथ खड़ी है : मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आईटीबीपी के आईजी संजय गुंज्याल के नेतृत्व में आईटीबीपी के अधिकारियों ने भेंट की। उन्होंने आईटीबीपी से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी द्वारा संचालित कार्यों की सराहना करते हुए आईटीबीपी से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर राज्य सरकार के स्तर पर होने वाली कार्यवाही में शीघ्रता का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने आईटीबीपी के असिस्टेंट कमांडेट शहीद टीकम सिंह नेगी की पत्नी को सेवायोजित किये जाने के संबंध में भी कहा कि इस प्रकरण में भी राज्य सरकार पूरी तरह से शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश सेवा में संलग्न सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों से संबंधित कार्यों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा उन्होंने देश सेवा के लिये सवोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के सम्मान में सड़क व स्कूलों आदि के नाम उनके नाम पर रखे जानी की बात कही। आईजी गुंज्याल ने मुख्यमंत्री से आईटीबीपी के फ्रंटियर हेडक्वार्टर के लिये भू परिवर्तन की स्वीकृति तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ किये जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बार बदरीनाथ, केदारनाथ में कपाट बंद होने के बाद सुरक्षा की जिम्मेदारी आईटीबीपी को सौंपी गयी थी। उन्होंने बॉर्डर आउटपोस्ट से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण का अनुरोध भी मुख्यमंत्री से किया तथा बताया कि उत्तराखण्ड के निवासियों का आईटीबीपी में सक्रिय योगदान रहा है।

इस अवसर पर डी.आई.जी. रंजीत राणा, डी.आई.जी. मनु महाराज, डी.आई.जी. आर.के. वर्मा, डी.आई.जी. आर.के. नरवाल, सेनानी पीयूष पुष्कर, अरूण रौथाण तथा पी.आर.ओ राजीव नेगी भी उपस्थित थे।

एक मई से आगे की यात्रा के लिए 18 अप्रैल से खुलेगी बुकिंग

देहरादून। केदारनाथ हेली सेवा के लिए 1 से 7 मई तक टिकटों की बुकिंग 18 अप्रैल से शुरू होगी। आईआरसीटीसी का बुकिंग पोर्टल 12 बजे खुल जाएगा। हेली टिकटों की बुकिंग करने के लिए चारधाम यात्रा का पंजीकरण होना अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के यात्री टिकट बुकिंग नहीं कर पाएंगे। 22 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। 25 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। इसी दिन से केदारनाथ हेली सेवा का संचालन शुरू किया जाएगा। हेली टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए पहली बार बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी को दिया गया है। पहले चरण में 25 से 30 अप्रैल तक की यात्रा के लिए हेली टिकटों की बुकिंग फुल हो चुकी है। एक ही दिन में सभी टिकट हो गए थे। कुल 2673 टिकटों की बुकिंग में 6263 यात्री शामिल हैं। सचिव नागरिक उड्डयन दिलीप जावलकर ने बताया कि दूसरे चरण में केदारनाथ हेली सेवा टिकटों की बुकिंग 18 अप्रैल से शुरू की जाएगी, जिसमें 1 से 7 मई तक की टिकट बुकिंग की जाएगी।

24 को निरंकारी मिशन मानव एकता दिवस पर भक्त करेंगे रक्तदान

गौरव कुमार, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार । मानवता के मसीहा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में दिनांक 24 अप्रैल का दिन संपूर्ण निरंकारी जगत द्वारा देश एवं दूर देशों में रक्तदान शिविरों के आयोजन से 'मानव एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानव कल्याणार्थ हेतु संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा भारतवर्ष में स्थापित निरंकारी मिशन की सभी ब्रांचों के साथ साथ उत्तराखंड में भी चार जगह इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी रक्तदाता स्वैच्छापूर्वक सम्मिलित होकर पूरे जोश एवं उत्साह से रक्तदान करेंगे।

जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य के बोध द्वारा मानव जीवन को सभी प्रकार के भ्रमों से मुक्त करवाया; साथ ही समाज उत्थान हेतु अनेक कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित किया जिनमें सादा शादियां, नशा मुक्ति एवं युवाओं को खेलो के प्रति प्रेरित किया। समाज में व्याप्त कुरितियों के उस दौर के उपरांत बाबा हरदेव सिंह जी के प्रेरक संदेश *'रक्त नाड़ियों में बहे, न कि नालियों में'* द्वारा सभी श्रद्धालुओ को एक नई सकारात्मक दिशा मिली। उसी प्रेरक संदेश को प्रत्येक निरंकारी भक्त मानवता के उपकार हेतु निरंतर उसे जीवन्त रूप में अपनाकर लोककल्याणार्थ हेतु अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। संत निरंकारी मण्डल के मसूरी जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सभी रक्तदान शिविरों में रक्तदान से पूर्व की जाने वाली जाँच एवं स्वच्छता की ओर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा। साथ ही रक्तदाताओं हेतु जलपान की समुचित प्रबंध व्यवस्था भी की जा रही है। रक्तदान शिविरों में रक्त संग्रहित करने हेतु इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और सरकारी अस्पतालों से योग्य एवं प्रशिक्षित टीम आयेंगी। निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह महा अभियान निरंकारी सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की सेवा प्रदत्त सिखलाइयो को दर्शाते हुए एकत्व एवं मानवता का दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे निरंकारी जगत का हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

सद्भावना से ही राष्ट्र मजबूत होगा: सतपाल जी महाराज

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। ऋषिकुल मैदान में मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित सद्भावना सम्मेलन के दूसरे दिन भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए उत्तराखंड सरकार में कैबिनेटमंत्री व सुविख्यात समाजसेवी सतपाल जी महाराज ने कहा कि हरिद्वार हरि का द्वार है, गंगा का द्वार है, गंगा स्वर्ग की धारा थी।भगीरथ ने कर्म किया और स्वर्ग की धारा को धरती पर उतार दिया। ऐसे ही हम भी कर्म करेंगे तो स्वर्ग को धरती पर उतार सकते हैं। उन्होनें कहा कि गंगा किसी से भेदभाव नहीं करती, सबकी प्यास बुझाती है, गंगा सदभावना का संदेश देती है, देश में सदभावना फैलेगी तो देश मजबूत होगा।

देश को मजबूत बनाने के लिए हमें सद्भावना फैलानी है।

महाराज जी ने कहा कि वैशाखी पर्व पर हम अध्यात्म को समझें, विवेकानंद जी जब स्वामी रामकृष्ण परमहंस के पास गए और उनसे पूछा कि क्या आपने परमात्मा को देखा? तो स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहते हैं, जैसे में तुम्हें देख रहा हूँ ऐसे ही मैंने परमात्मा को देखा है, उतनी स्पष्टता से मैंने उसका अनुभव किया है और मैं तुम्हें भी अनुभव करा सकता हूँ। महाराज ने कहा कि महापुरुष यही कहते हैं कि मैं अनुभव करा सकता हूँ, उस अनुभव के लिए हम तत्वदर्शी महापुरुष के पास जाते हैं, उनकी सेवा द्वारा प्रसन्न करके आत्मज्ञान की दीक्षा लेकर अपना कल्याण करते हैं।

आश्रम के प्रांगण में मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय रक्तदान शिविर के दूसरे दिन पूर्व कैबिनेट मंत्री माता अमृता जी, महाराज जी की पुत्रवधू आराध्या जी, मोहिना जी ने रक्तदान शिविर का निरीक्षण कर रक्तदान दाताओं का उत्साह बढ़ाया और अपने-अपने क्षेत्र में इस पुनीत और निस्वार्थ कार्य को अन्य लोगों तक पहुंचाने की प्रेरणा दी। कैम्प में दूसरे दिन ऋषिकेश एम्स के डॉक्टरों की टीम, ब्लड सेंटर जौलीग्रांट और जिला अस्पताल रुड़की के सौजन्य से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दो दिन के इस शिविर में लगभग 600 यूनिट ब्लड एकत्र किया गया। शिविर में समिति के सेक्रेटरी आनंदी प्रसाद, रामणिक भाई (सेक्रेटरी, श्री प्रेमनगर आश्रम), प्रबंधक पवन भाई, महात्मा कमलेशानन्द, बसंत जिंदल, ललित कुमार, नवीन सिंघल, रामफल गर्ग आदित्य उपस्थित रहे।

संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 132 वें जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें किया याद

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। जिला भाजपा कार्यालय हरिद्वार पर अनुसूचित मोर्चा द्वारा भारत रत्न एवं संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 132 वें जन्म दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड राज्य सभा सांसद डॉक्टर कल्पना सैनी ने प्रतिभाग किया। आए हुए सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर गोष्टी का विधिवत प्रारंभ किया गया।

अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय कुमार ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया एवं कहा कि मैं आज यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत अभिनंदन करता हूं आज के अवसर पर आप सभी से बाबा साहब के पद चिन्हों पर चलने का आग्रह करता हूं बाबा साहब हम सब के आदर्श हैं। राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश स्थित महू नगर सैनिक छावनी में हुआ इनके पिता का नाम रामजी मलोजी सकपाल एवं माता का नाम भीमाबाई था उस समय बाबा साहब को सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव सहन करना पड़ता था उनके पिता रामजी सकपाल ने सातारा की गवर्नमेंट हाई स्कूल में अपने बेटे भीमराव का नाम भीवा रामजी अंबेडकर दर्ज करवाया उसके बाद उनका परिवार मुंबई चला गया ।बाबा साहब लोकप्रिय अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे उन्होंने केवल दलितों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था बल्कि श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकार का समर्थन किया था वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में डायरेक्टरेट की उपाधि प्राप्त की राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर केवल एक समाज के नहीं अपितु सर्व समाज के महापुरुष है और उनके बनाए हुए संविधान को देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी ने आत्मसात किया है उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हुए आज देश आगे बढ़ रहा है आज अंबेडकर जी की जयंती पर देश के प्रधानमंत्री द्वारा घोषित किए गए राष्ट्रीय अवकाश का धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का स्वतंत्रता आंदोलन के समय जो प्रभाव था उससे कई गुना ज्यादा हो गया है उन्होंने नैतिक संविधान निर्माण में अहम रोल अदा किया बल्कि समाज में निम्न वर्ग पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई आज हमारी सरकार उनके विचारों को अपने से संबंधित करते हुए अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति की चिंता कर रही है ।

मोर्चा प्रभारी लव शर्मा ने कहा कि मैं आज बाबा साहब की जयंती पर उन्हें नमन करता हूं और आप सब को बताना चाहता हूं कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बाबा साहब के सपनों को साकार करने का काम किया है बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंच तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करके बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की सरकार में संभव हो पाया है भाजपा की सरकार के ही द्वारा बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम किया गया है बाबा साहब के पंच तीर्थ स्थलों को विकसित करने का काम भी भाजपा की सरकार ने ही किया है।

कार्यक्रम में अनुसूचित समाज में विशेष कार्य करने वाले लोगों को मंच से सम्मानित किया गया जिसमें मास्टर रामेश्वर प्रसाद, राजपाल ,डॉ वीरेंद्र ,सूबे सिंह, राधेश्याम, सुरेश बीतोलिया, सतीश फौजी, फूल सिंह ,हरि सिंह ,डॉ रमेश, श्रीमती दर्शना सिंह को सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह चौहान, अनुसूचित मोर्चा प्रदेश मंत्री दीपिका राठौर, जिला महामंत्री आशु चौधरी, मनोज गर्ग, प्रिंस लाहौट, राजवीर कलानीया, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र राणा, अमित राज, तेलू राम प्रधान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश कुमार निपेंद्र चौधरी , पार्षद मनोज कुमार, विपिन शर्मा, पंकज बागड़ी, कमला जोशी, रजनी वर्मा, आभा शर्मा, रेनू शर्मा, कमल प्रधान ,विशाल गर्ग, अनुसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपक पालीवाल, धीर सिंह, तुषार खटीक, अजय कुमार, संदीप कुमार, नरेश कुमार, पवन कुमार, अरुण कुमार ,वीरेंद्र कुमार, गौरव कुमार, दीपांशु शर्मा, हितेश चौहान, सनी पर्चे, विवेक कश्यप, सुनील धीमान ,आशीष गोड, मनोज चौहान, सुरेंद्र शर्मा ,सुमित कटारिया ,अमित कुमार ,लक्ष्मण पाल आदि उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव आंबेडकर के सपनों को भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार कर रही साकार: स्वामी यतीश्वरानंद

हरिद्वार, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने वेद मंदिर आश्रम में संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उनके संघर्ष और बलिदान को स्मरण किया। स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि आज भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार डॉ भीमराव आंबेडकर के सपनों को साकार कर रही है। स्वामी यतीश्वरानंद ने नूरपुर पंजनहेड़ी, गाजीवाली, चंडीघाट, फेरुपुर, धनपुरा, अजीतपुर, जमालपुर कलां, बहादरपुर जट्ट आदि ग्रामों में आयोजित जयंती कार्यक्रमों में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शुक्रवार को वेद मंदिर आश्रम में डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने उनके संघर्ष के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें शुरुआती शिक्षा में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लेकिन बाबा साहेब बचपन से ही बुद्धिमान और पढ़ाई में अच्छे थे, इसलिए उन्होंने जात-पात की जंजीरों को तोड़ अपनी शिक्षा पूरी की। स्वामी ने बताया कि आजादी की लडाई में शामिल हुए और स्वतंत्र भारत को एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने के लिए संविधान निर्माण में अतुल्य भूमिका निभाई। बाबा साहेब ने पिछड़े और कमजोर वर्ग के अधिकारों के लिए पूरा जीवन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने उनके सपने को साकार नहीं होने दिया, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार उनके सपनों को साकार करने का काम रही है। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, भाजयुमो जिलाध्यक्ष विक्रम भुल्लर, मंडल अध्यक्ष प्रणव यादव, जितेंद्र सैनी, ऋषिपाल कश्यप, पार्षद अनुज सिंह, पिंटू सैनी, अंकित चौहान, अरविंद कुमार, जिला पंचायत सदस्य सोहनवीर पाल, मंडल महामंत्री पंकज चौधरी, छोटू जयंत, राजकुमार, कृष्णपाल प्रधान, ग्राम प्रधान प्रखर कश्यप, पंकज चौहान, श्रवण चौहान, ग्राम प्रधान प्रदीप चौहान, अमित राणा आदि शामिल हुए। वेद मंदिर आश्रम में डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद आदि मौजूद रहे।

जगजीतपुर में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

हरिद्वार, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)। संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती जगजीतपुर में धूमधाम से मनाई गई। शुक्रवार को जगजीतपुर वासियों नें अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण किया। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव तेलू राम प्रधान ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने ना सिर्फ देश के संविधान को बनाया बल्कि समरसता के उस भाव को भी आगे बढ़ाया है, जो भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। अंबेडकर ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने देश की अखंडता एवं एकता के लिए सतत प्रयास किया, उन्होंने ऐसे संविधान का निर्माण किया जिसमें से सभी वर्गों को समानता का भाव मिले। समाजसेवी कुलदीप चौधरी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के दलित समाज के उत्थान और शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए किए गए प्रयास आज भी प्रासांगिक हैं। समाज के लोगों को उनके विचारों और आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है। अंबेडकर समिति के अध्यक्ष अजय दास महाराज ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा से दलित समाज को गति प्रदान करने का काम किया। हमारा भी कर्तव्य है कि समाज के उत्थान में योगदान दें। देवेश बर्मन ने कहा कि दलित समाज को शिक्षा को अपनाना होगा शिक्षा से ही लोग प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं। समाज के लोग उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर देश की उन्नति में योगदान दें। इस अवसर पर मेयर अनीता शर्मा, पार्षद मनोज प्रालिया, पूर्व प्रधान दिनेश वालिया, पार्षद उदयवीर सिंह चौहान, समाजसेवी कमल राजपूत, अनिल भास्कर, तीरथ पाल रवि, डॉ संदीप कुमार, जोगिंदर बाबरा, हरपाल, पूर्व प्रधान यशपाल सिंह, प्रधान श्याम सुंदर, मोनू कुमार, शिवकांत, नितिन, उमेश बर्मन, रजत, अंकित, विक्रांत आर्य, रोहित, सचिन, शिवम, राघव, शुभम, अतुल, अश्वनी, मोहित, रवि कुमार, प्रवेश, पंकज कुमार, सागर, दीपक कुमार, मोहन, लकी सहित बड़ी संख्या में जगजीतपुर वासी उपस्थित रहे।

भारत, इटली को यूरोपीय संघ के साथ संतुलित मुक्त व्यापार करार का भरोसा

रोम। भारत और इटली ने नयी दिल्ली और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता की प्रगति पर चर्चा की है और इसके जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई है। वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पिछले साल जनवरी में भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते, निवेश संरक्षण और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के लिए बातचीत फिर से शुरू की है। इटली ईयू का सदस्य है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री एंटोनियो ताजानी के बीच 12 अप्रैल को हुई बैठक में यह मुद्दा उठा।

एक बयान में कहा गया है, ''दोनों मंत्रियों ने एक मुक्त, संतुलित और निष्पक्ष मुक्त व्यापार समझौते को रेखांकित करते हुए इसके जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई।'' दोनों नेताओं के बीच सितंबर के अंतिम सप्ताह में रोम में आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग (जेसीईसी) के अगले सत्र के आयोजन पर भी सहमति बनी। ताजानी ने सहयोग बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, रक्षा और कृषि जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में एक संयुक्त कार्यसमूह के गठन का सुझाव दिया। ताजानी ने दोनों देशों की संसद के बीच संसदीय मैत्री समूह कूटनीति को मजबूत करने और साइबर वार्ता की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया। गोयल ने जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया।

गोयल यहां के आधिकारिक दौरे पर हैं। उनके साथ एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें भारतीय उद्योग और विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातक शामिल हैं। इस बीच, यहां भारत और इटली के कारोबारियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इटली की कंपनियों के लिए भारत में निवेश के बड़े अवसर हैं। भारत के निर्यात पर उन्होंने कहा कि भारत ने 2021-22 में 676 अरब डॉलर की वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात किया। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में हमारा निर्यात का आंकड़ा 765 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2030 तक देश का निर्यात 2,000 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।

Infosys का चौथी तिमाही का मुनाफा 7.8 प्रतिशत बढ़कर 6,128 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अमेरिकी बैंकिंग क्षेत्र में अस्थिरता के बाद बाजार में मंदी के बीच इंफोसिस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ उम्मीद से कम 7.8 प्रतिशत बढ़कर 6,128 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी की हालिया रिपोर्ट कई मायनों में निराश करती हैं, जिनमें कंपनी ग्राहकों के देरी से फैसले लेने और परियोजनाओं में अप्रत्याशित बदलाव के कारण वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राजस्व अनुमान तक भी नहीं पहुंच पाई। वैश्विक व्यापक-आर्थिक अस्थिरता के माहौल के बीच, इसने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए चार-सात प्रतिशत राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

शीर्ष प्रबंधन ने 'माहौल के अभी भी अनिश्चित रहने' की चेतावनी दी है। कंपनी ने आखिरी बार एकल अंक में राजस्व अनुमान वित्त वर्ष 2018-19 में दिया था। भारत की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 6,128 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया। हालांकि पूर्ववर्ती तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2022) से तुलनात्मक रूप से लाभ सात प्रतिशत गिर गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5,686 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी के तिमाही वित्तीय परिणाम अनुमान से नीचे रहा। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता फर्म टीसीएस ने जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 14.8 प्रतिशत वृद्धि के साथ 11,392 करोड़ रुपये हासिल किया। बेंगलुरु की कंपनी इंफोसिस का आलोच्य अवधि में एकीकृत आय 16 प्रतिशत बढ़कर 37,441 करोड़ रुपये रही। इंफोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सलिल पारेख ने बयान में कहा कि हमें अपने ग्राहकों की तरफ से दक्षता और लागत में सुधार तथा एकीकरण को लेकर मजबूत रुझान देखने को मिल रहा है। लिहाजा कई सौदे पाइपलाइन में हैं। बोर्ड ने 2022-23 वित्त वर्ष के लिए अंतिम लाभांश 17.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत बढ़कर 24,095 करोड़ रुपये रहा। वहीं राजस्व 20.7 प्रतिशत बढ़कर 1,46,767 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस में मार्च तिमाही के अंत में कुल 3,43,234 कर्मचारी थे।

शक्कर में मजबूती, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहन महंगा, दाल सस्ती, अनाज सामान्य

इंदौर, (वार्ता) सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली से मजबूती रही। खाद्य तेल मांग कमी से गिरावट लिए रहे। तिलहनों में उठाव बताया गया। दलहन महंगे बिके। दाल मांग कमी से सस्ती बिकी। अनाज में लिवाली सामान्य बताई गई।

किराना बाजार

शक्कर में लिवाली रही। शक्कर में 04 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा खोपरा बूरा में लिवाली बने रहने से मज़बूती रही। हल्दी में खरीदी रही। अटकलें लगाई जा रही लग्नसरा मांग से आने वाले दिनों में लिवाली बढ़ेगी।

तेल-तिलहन

खाद्य तेल मांग सुस्ती से सोयाबीन रिफाइंड में नरमी दर्ज की गई। तिलहनों में उठाव बताया गया। इससे भाव ऊंचे रहे।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मसूर उठाव बढ़ने से महंगा बताया गया। दालों में मांग कमी से भाव कम हुए।अनाज में कामकाज सामान्यवत बना रहा।

भारत की मजबूती को दिखाता है 770 अरब डॉलर का निर्यात, 2030 तक 2000 अरब डॉलर का लक्ष्य संभवः डॉ शक्तिवेल

नयी दिल्ली, (वार्ता)। भारती में निर्यात संधों के शीर्ष मंच फियो के अध्यक्ष डॉ. ए शक्तिवेल ने गुरुवार को कहा कि विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बीच देश का कुल निर्यात लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकार्ड 770 अरब डॉलर से अधिक हुआ है, जो भारतीय निर्यात क्षेत्र की मजबूती के साथ साथ दिखाता है। शक्तिवेल ने कहा कि उन्हें भारत से 2030 तक कुल 2,000 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने का विश्वास है। वर्ष 2022-23 के निर्यात के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में वाणिज्यिक माल निर्यात छह प्रतिशत से अधिक बढ़ कर 447.47 अरब डॉलर तक रहा, जो एक रिकार्ड है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों, पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य, समुद्री उत्पादों, चमड़े के सामान, परिधान, दवाओं तथा फार्मास्यूटिकल्स और कार्बनिक तथा अकार्बनिक रसायन निर्यात में वृद्धि के कारण वाणिज्यिक माल के निर्यात में यह वृद्धि संभव हुई है ।

विदेशों में कमजोरी के बीच oilseeds कारोबार में गिरावट का रुख

नईदिल्ली। विदेशी बाजारों में गिरावट के रुख के बीच दिल्ली बाजार में बृहस्पतिवार को तेल-तिलहन कीमतों में नरमी देखने को मिली। सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रहीजबकि मूंगफली तेल तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। मलेशिया एक्सचेंज में 1.5 प्रतिशत की गिरावट थी जबकि शिकागो एक्सचेंज कल रात दो प्रतिशत टूटा था और फिलहाल यहां आधा प्रतिशत की गिरावट है। बाजार सूत्रों ने कहा कि पूरे देश में मंडियों में लगभग 12.50 लाख बोरी सरसों की आवक हुई है जबकि राजधानी में तेल तिलहन की दो मंडियां हैं- नजफगढ़ और नरेला।

नरेला में 20 वर्षो के बाद सरसों की लगभग 500-600 बोरी की आवक हुई जबकि नजफगढ़ में 2,500 सरसों बोरी की आवक हुई। इन मंडियों में आढ़तियों ने 5,450 रुपये प्रति क्विन्टल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुकाबले सरसों की खरीद 4,800-4,900 रुपये क्विन्टल के भाव से की। ठीक राजधानी में ऐसा होना देश के तिलहन किसानों की दुर्दशा को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह शिकायत मिलना है कि ये सरसों खरीद के बाद हरियाणा जा रहा है। अगर यही हाल बना रहा तो सरसों का हाल भी सूरजमुखी जैसा हो सकता है और तब सरकार 10,000 रुपये क्विन्टल भी एमएसपी तय कर दे फिर भी किसान सूरजमुखी की तरह इसे बोने से बचेंगे। इस बात को संज्ञान में लेने और जांच करने की आवश्यकता है। सूत्रों ने कहा कि राजधानी दिल्ली में और तमाम तेल संगठनों के रहते हुए, एमएसपी से नीचे सरसों बिक रहा हो और सबकी चुप्पी हो, इसका कारण समझ से परे है। उन्होंने कहा कि सस्ते आयातित तेलों का देश में भारी मात्रा में आयात हो चुका है। स्थिति यह है कि स्थितियों का लाभ लेने के लिए उत्तरी भारत में भी सूरजमुखी तेल का जबर्दस्त मात्रा में आयात कर लिया गया है जबकि इस तेल की ज्यादातर खपत महाराष्ट्र और कुछ दक्षिणी राज्यों में होती है। सरकार को ऐसे आयात को नियंत्रित करने के लिए डम्पिंगरोधी शुल्क लगाने पर भी विचार करना चाहिये।

जोकोविच लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट से जल्दी बाहर

मोनाको। नोवाक जोकोविच लगातार तीसरे साल मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गए। एक महीने के विश्राम के बाद क्ले कोर्ट पर सत्र का अपना दूसरा मैच खेलने वाले शीर्ष रैंकिंग के जोकोविच को गुरुवार को खेले गए मैच में लोरेंजो मुसेटी ने 4-6, 7-5, 6-4 से हराया। सर्बिया का यह खिलाड़ी अब भी क्ले कोर्ट पर सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आठ बार अपनी सर्विस गंवाई और इटली के अपने प्रतिद्वंदी के बेसलाइन के शॉट का उनके पास कोई जवाब नहीं था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो जिस तरह का खेल मैंने आज दिखाया उससे मुझे बहुत बुरा लग रहा है।'' मोंटेकार्लो में दो बार के चैंपियन जोकोविच पिछले साल फ्रांस के कोटे डीज़ूर से पहले दौर में हार गए थे जबकि 2021 में और तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। सोलहवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर से भिड़ेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त सिनर ने दूसरे सेट में एक मैच प्वाइंट बचाकर 10वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 7-6 (6), 6-1 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने भी निर्णायक टाईब्रेकर में दो मैच प्वाइंट बचाए और अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3-6, 7-5, 7-6 (7) से हराया। मेदवेदेव दूसरी बार इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। उनका सामना अब होल्गर रूने से होगा। एक अन्य मैच में जर्मन क्वालीफायर जैन लेनार्ड स्ट्रफ ने चौथी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-1, 7-6 (6) से उलटफेर का शिकार बनाया। स्ट्रफ का अगला मुकाबला 2021 के उपविजेता आंद्रे रुबलेव से होगा, जिन्होंने करेन खाचानोव को 7-6 (4), 6-2 से हराया। दो बार के गत चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास ने निकोलस जैरी को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी।

अमन सहरावत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

किर्गिस्तान। अमन सहरावत ने सीनियर स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां 57 किग्रा वर्ग में किर्गिस्तान के अल्माज समानबेकोव को हराकर भारत को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

सहरावत ने फाइनल में समानबेकोव को 9-4 से शिकस्त दी। दिल्ली के प्रतिष्ठित छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करने वाले सहरावत ने क्वार्टर फाइनल में जापान के रिकुतो अराई को 7-1 से हराने के बाद सेमीफाइनल में चीन के वानहाओ झू को 7-4 से शिकस्त दी। पिछले साल अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले सहरावत ने 2023 सत्र में दूसरा पोडियम स्थान हासिल किया।

उन्होंने फरवरी में जागरेब ओपन में भी कांस्य पदक जीता था। दो अन्य भारतीय पहलवान भी गुरुवार को कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहे। दीपक कुकना (79 किग्रा) और दीपक नेहरा (97 किग्रा) अपने सेमीफाइनल मुकाबले हारने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेंगे। अनुज कुमार (65 किग्रा) और मुलायम यादव (70 किग्रा) पदक दौर में जगह बनाने में नाकाम रहे। भारत ने अब तक प्रतियोगिता में 12 पदक जीते हैं। ग्रीको रोमन पहलवानों ने चार पदक जीते जबकि महिला पहलवानों ने सात पदक अपने नाम किए।

अंतरराष्ट्रीय

दस्तावेज लीक के संदर्भ में ऑस्टिन ने विभागीय समीक्षा के दिए आदेश

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने रक्षा विभाग को खुफिया दस्तावेजों के ऑनलाइन लीक होने के मद्देनजर भविष्य में ऐसी घटनाओं रोकने के लिए विभागीय समीक्षा करने के आदेश दिए है।

ऑस्टिन ने गुरुवार को कहा, "रक्षा मंत्री के रूप में, मैं अपने राष्ट्र की गोपनीय जानकारी की सुरक्षा के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपाय करने में भी संकोच नहीं करूँगा। तदनुसार, मैं इस तरह की घटना को फिर से होने से रोकने हेतु हमारे प्रयासों को सूचित करने के लिए विभागीय समीक्षा करने के निर्देश दे रहा हूं।" इससे पहले, अमेरिका की पुलिस ने यूक्रेन और अमेरिका के अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ संबंधों पर वर्गीकृत जानकारी लीक होने के संबंध में एक एयर नेशनल गार्ड्समैन को गिरफ्तार किया था। ऑस्टिन ने गिरफ्तारी के लिए न्याय विभाग की सराहना की और इसकी जांच में रक्षा विभाग के पूर्ण समर्थन और सहयोग का वचन दिया।

USA: फ्लोरिडा में अब 6 सप्ताह बाद महिलाएं नहीं करा सकती गर्भपात

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा में अब महिलाएं 6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकती हैं। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस ने गुरुवार को इस बिल पर सहमति दे दी है। इसके तहत फ्लोरिडा में महिलाएं 6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं कर सकती हैं। लेकिन उनके इस विधेयक की कड़ी आलोचनाए हुईं। व्हाइट हाउस ने इस विधेयक को महिलाओं के लिए उचित नहीं ठहराया है।

फ्लोरिडा में पेश किए गए बिल के मुताबिक महिलाएं 6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकती हैं, वहीं दूसरी ओर यदि महिलाओं का स्वास्थ्य गर्भावस्था से खतरे में है तो महिलाएं केवल 15 सप्ताह से ज्यादा समय के बाद गर्भपात नहीं करा सकती हैं। इसी के साथ बिल में महिलाओं को यह भी छूट दी गई है कि यदि कोई महिला यौन उत्पीड़न का शिकार हो कर प्रेगनेंट हुई है तो ऐसी स्थिति में भी केवल 15 दिन के अंदर ही गर्भपात करा सकती है।

व्हाइट हाउस ने इस कदम की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह बिल मौलिक स्वतंत्रता के खिलाफ है और कई अमेरिका के नागरिक इस बिल से सहमत नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने गुरुवार को एक बयान में कहा, इस प्रतिबंध के कारण फ्लोरिडा की प्रजनन आयु वाली चार मिलियन महिलाएं प्रभावित होंगी, क्योंकि छह हफ्ते तक गर्भवती होने का पता चलना मुश्किल होता है। फ्लोरिडा के रिपब्लिकन-वर्चस्व वाली विधायिका ने 40 के मुकाबले 70 मतों के साथ इस बिल को पारित किया है। एक साल में यह दूसरी बार था जब फ्लोरिडा ने गर्भपात की अवधि में कटौती की है। अप्रैल 2022 में गर्वनर रॉन डीसांटिस ने फ्लोरिडा में गर्भपात करने के समय को कम किया था। उन्होंने अप्रैल में इसे 24 से घटाकर 15 सप्ताह कर दिया था।

चीन अफगानिस्तान पर रूस के साथ घनिष्ठ सहयोग को तैयार: किन गांग

बीजिंग, (वार्ता)। चीनी के विदेश मंत्री किन गांग ने कहा कि चीन अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के सहयोग तंत्र के रूप में रूस के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।किन ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में ईरान, पाकिस्तान और रूस के विदेश मंत्रियों के साथ हुई एक बैठक के बाद एक ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, "हम रूस के मास्को प्रारूप का समर्थन करते हैं और इसमें भागीदारी करते हैं। हम अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के समन्वय और सहयोग तंत्र रूप में रूस के साथ करीबी बातचीत करने के लिए तैयार हैं।" उज्बेकिस्तान के समरकंद शहर में आज अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की चौथी बैठक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चीन, ईरान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के शीर्ष राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं। शीर्ष अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि सभी अफगान मुद्दे पर चर्चा करें।

छोटी खबरें

छत्तीसगढ़ में छात्रावास में रहने वाले चौदह छात्र कोरोना संक्रमित मिले

जगदलपुर, (वार्ता)। छत्तीसगढ़ दक्षिण बस्तर संवेदनशील इलाके में छात्रावास में रहने वाले चौदह छात्र कोरोना संक्रमण के लक्षण सामने आया है। सूत्रों के अनुसार दक्षिण बस्तर के संवेदनशील इलाके में कोरोना के लगातार मामले सामने आते जा रहे हैं जिसमें छात्रों से लेकर ग्रामीण भी शामिल हैं। बीजापुर के कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. विकास गवेल ने बताया कि पिछले पांच दिनों में 27 लोग कोरोना पाजीटिव पाये गये जिसमें से छात्रावास के 14 छात्र शामिल है। गवेल ने बताया कि गंगालूर और बीजापुर इलाके में जांच के दौरान कल 13 मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए। इन्हें कोंरटाइन में रखा गया है। क्षेत्र में लगातार कोरोना की जांच की जा रही है।

आनंद/नडियाद एचएसआर स्टेशन पर कॉन्कोर्स लेवल पूरा

अहमदाबाद, (वार्ता)। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर पर आनंद/नडियाद एचएसआर स्टेशन का कॉन्कोर्स लेवल (स्टेशन का पहला स्तर) पूरा कर लिया गया है। एमएएचएसआर प्रवक्ता अपर महाप्रबंधक सुषमा गौर ने गुरुवार को यहां जारी बयान में बताया है कि आनंद/नडियाद एचएसआर स्टेशन एमएएचएसआर कॉरिडोर पर पहला स्टेशन है, जहां पर कॉन्कोर्स लेवल (स्टेशन का पहला स्तर) पूरा कर लिया गया है। इस स्टेशन पर 425 मीटर लंबे कॉनकोर्स लेवल का काम पूरा हो चुका है। इसकी मुख्य विशेषताएं: कॉनकोर्स लेवल के डायमेंशन 425 मीटर गुणा 34 मीटर (9 स्लैब शामिल), प्रयुक्त कंक्रीट की मात्रा 10,500 घन मीटर, स्टील रीइन्फोर्समेंट का इस्तेमाल 2200 एम टी, पहले कॉनकोर्स लेवल स्लैब की शुरुआत- 12 सितंबर 2022, कॉनकोर्स लेवल पूरा करने की तिथि 12 अप्रैल 2023 थी।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव: पहले दिन 04 नामांकन दाखिल

जालंधर, (वार्ता)। जालंधर लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के पहले दिन आज चार उम्मीदवारों ने अपने फॉर्म भरे। जिला उपायुक्त सह जिला चुनाव अधिकारी जसप्रीत सिंह ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से करमजीत कौर ने नामांकन के दो सेट दाखिल किए। वहीं पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) से मनिंदर सिंह और रचना देवी ने नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारो के बारे में अधिक जानकारी के लिए भारतीय चुनाव आयोग के 'नो योर श्री एंडिडेट' एप को डाउनलोड किया जा सकता है। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि चूंकि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती है और 16 अप्रैल को रविवार है, इसलिए इन दिनों में नामांकन नहीं लिया जाएगा, जबकि 15 अप्रैल शनिवार को सुबह 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक नामांकन लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि 20 अप्रैल तक नामांकन भरे जाएंगे और नामांकन पत्रों की जांच 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे डिप्टी कमिश्नर कोर्ट रूम जिला प्रशासकीय परिसर में होगी।उन्होंने कहा कि उम्मीदवार 24 अप्रैल को बाद अपराह्न तीन बजे से पहले अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। उपचुनाव के लिए मतदान 10 मई को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक होगा और मतगणना 13 मई को होगी।

कालिका मंदिर में भू-धंसाव मामले में आया नया मोड़, रिपोर्ट में कांडा 'आल इज वेल'

बा गे श्व र। कां डा कालिका मंदिर में दरार और शक्ति धंसाव मामले में नया मोड़ आ गया है। मंदिर समिति ने एक वर्ष पूर्व भू-धंसाव की शिकायत की थी। तब जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री को आल इज वेल कांडा रिपोर्ट भेजी। जिस पर मंदिर समिति ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

कालिका मंदिर समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह माजिला ने कहा कि बीते वर्ष मार्च में सीएम कार्यालय को मंदिर और शक्ति स्थान पर धंसाव की शिकायत की। तब जिला प्रशासन ने ठीक ठाक रिपोर्ट भेजी। प्रधान सेवक अर्जुन सिंह माजिला, प्रकाश डसीला ने कहा कि प्रशासन और खान मंत्रालय को भी पत्र भेजा। वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। 22 मार्च 2021 को तत्कालीन उपजिलाधिकारी को भी पत्र लिखा। किसी प्रकार के नुकसान पर प्रशासन जिम्मेदारी रहेगा।

सीएम को दिलाई उनके बातों की याद

ग्रामीण प्रकाश सिंह, हर सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी कहते हैं कि पटवारी के स्तर की समस्या तहसील तक और तहसील की समस्या जिले स्तर पर नहीं आनी चाहिए। साथ ही जिले की समस्या सीएम कार्यालय तक नहीं आनी चाहिए। उन्हें यह समस्या पर कार्रवाई के लिए सीएम के स्तर तक जाना पड़ा है।

राजनीतिक दलों की चुप्पी

राजनीतिक दल और संगठनों की चुप्पी पर ग्रामीणों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण हर सिंह, नवीन सिंह, पार्वती देवी ने कहा कि राजनीतिक दलों को चुप्पी तोड़नी होगी। ताकि जोशीमठ जैसी स्थिति आने से पहले उसे रोका जा सके।

कांडा कालिका मंदिर प्रकरण पर भू-विज्ञानी जांच करेंगे। भू-वैज्ञानिक और तहसीलदार को जांच सौंपी है। एक खान को बंद कर दिया गया है। दूसरी खान में बिना प्रमीशन के लोडर मशीन संचालन नहीं होगा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। मंदिर और आंगन के एक सिरे में दरारें आ रही हैं। जांच के बाद ही खतरा आदि की पुष्टि हो सकेगी।

- अनुराधा पाल, जिलाधिकारी, बागेश्वर।

अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ तीर्थदर्शन योजना में, महू में जमीन के लिए मिली सेना से एनओसी : शिवराज

भोपाल, (वार्ता)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़े पांचों तीर्थों को मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में जोड़ा जा रहा है, साथ ही उनकी जन्मस्थली इंदौर जिले के महू में डॉ अंबेडकर के अनुयायियों के लिए प्रस्तावित धर्मशाला निर्माण के लिए जमीन हेतु सेना से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया है। चौहान ने डॉ अंबेडकर की जयंती के अवसर पर संवाददाताओं से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा डॉ अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ जन्मभूमि महू, शिक्षा भूमि लंदन, दीक्षा भूमि नागपुर, महापरिनिर्वाण भूमि दिल्ली और अंतिम संस्कार वाली भूमि मुंबई को मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महू में बाबा साहब का स्मारक बनाने का सौभाग्य भाजपा सरकार को मिला। पंचतीर्थ का निर्माण और आवश्यक व्यवस्थाएं भी सरकार ने की हैं। इसी क्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी आभार प्रकट किया कि इस दिशा में उनके ही मार्गदर्शन में काम हुआ। पांचों तीर्थों को तीर्थयात्रा के अंतर्गत जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महू में डॉ अंबेडकर का स्मारक बनाने के बाद वहां अच्छी धर्मशाला बनाने की मांग थी। महू की जमीन अब तक सेना के पास थी, लेकिन अब सेना की ओर से साढ़े तीन एकड़ जमीन के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र मिल गया है। ये जमीन संबंधित समिति को लीज पर देकर अनुयायियों को वहां रुकने की व्यवस्था की जाएगी।

आप सरकार का दलित विरोधी चेहरा उजागर: चन्नी

जालंधर,(वार्ता)। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को 'दलित विरोधी' सरकार करार देते हुए पंजाब के पूर्व मुख्य मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को कहा कि आश्वासन के बावजूद आप सरकार दलित समुदाय से एक उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने में विफल रही है।

जालंधर उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार करमजीत कौर चौधरी के नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने आज एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया। विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग और पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी तथा श्री चन्नी की मौजूदगी में कहा कि आप सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पंजाब के लोगों को यह बताना होगा कि सरकार में एक साल रहने के बाद भी उन्हें दलित डिप्टी सीएम नियुक्त करने से किसने रोका। पंजाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व ने कहा कि पंजाब की कांग्रेस सरकार ने अपने शासन के दौरान 100 करोड़ रुपये से अमृतसर में भगवान वाल्मीकि की जीवन गाथा पर एक पैनोरमा बनाने का प्रस्ताव दिया था। इसी तरह, पिछली कांग्रेस सरकार ने जालंधर में गुरु रविदास पर एक शोध केंद्र स्थापित करने के लिए 25 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। आप सरकार ने दोनों परियोजनाओं को रोक दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आप सरकार से पूछना चाहता हूं कि दलित समुदाय के साथ उनकी क्या दुश्मनी है क्योंकि उन्होंने इन परियोजनाओं को रोक दिया है। मैंने पीटीयू जालंधर में डॉ बी आर अंबेडकर के संग्रहालय के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव दिया था। आप सरकार ने उस परियोजना को भी रोक दिया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पंजाब के महाधिवक्ता कार्यालय में लगभग 150 वकील हैं। इनमें से कोई भी दलित समुदाय से नहीं है।

कृतज्ञ राष्ट्र ने दी डॉ. भीमराव अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में शुक्रवार को कृतज्ञ राष्ट्र ने संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को उनकी 132 वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य समारोह आज संसद भवन परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आयोजित किया गया। श्रीमती मुर्मू ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस

पार्टी के प्रमुख शरद पवार और कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भी संविधान निर्माता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

संसद भवन परिसर में हजारों लोग भी डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे। इस अवसर पर प्रतिमा के समक्ष बौद्ध मंत्रोच्चार भी किया गया। इससे पहले श्रीमती मुर्मू ने एक ट्वीट में कहा, ''हमारे संविधान के शिल्पकार बाबासाहब भीमराव रामजी आंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।''

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि समाज के वंचित समुदाय को मुख्यधारा में लाने के लिए उनका 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, और संघर्ष करो'- का मूलमंत्र समाज के लिए सदा उपयोगी रहेगा।

उन्होंने कहा, "कानून के शासन में उनकी अडिग आस्था और सामाजिक एवं आर्थिक समानता के लिए प्रतिबद्धता हमारे लोकतंत्र का संबल है।

भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 132 वीं जयंती धूमधाम से मनाई

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

ग्रोथ सेंटर में 40 महिलाओं को रोजगार देने वाली नारायणी देवी को उनके इस सरहनीय कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया

चंपावत। उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत में नरसिंह डांडा के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 132वीं जयंती पर उनके चित्र में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अंबेडकर जी ने समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। जाति प्रथा और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक कुप्रभावों को लेकर देश में एक मजबूत आवाज उठाई थी। भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ.अंबेडकर जी के योगदान के लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। आधुनिक भारत की नींव तैयार करने में भी बाबा साहब की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने सामाजिक, कानूनी तथा राजनीतिक क्षेत्र में भी देश व समाज के लिए अनेक महान कार्य किए। उन्होंने हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया।

इस अवसर पर लोहाघाट ग्रोथ सेंटर में 40 महिलाओं को रोजगार देने वाली नारायणी देवी को उनके इस सरहनीय कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया और इसी तरह आगे को भी कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि जिला पुस्तकालय चंपावत का और अधिक विस्तारीकरण किया जाएगा, साज सज्जा का भी कार्य किया जाएगा। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंह डांडा का इंटरमीडिएट में उच्चीकरण किया जाएगा। नरसिंह डांडा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाएगा। नरसिंह डांडा में लिफ्ट पेयजल योजना का निर्माण किया जाएगा। नरसिंह डांडा में अंबेडकर भवन का निर्माण किया जाएगा। नरसिंह डांडा की भूमि पर निवास कर रहे परिवारों को मालिकाना हक दिलाए जाने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाएगा। सिद्ध नरसिंह मंदिर कालू खान का सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, ब्लाक प्रमुख चंपावत रेखा देवी बाराकोट विनीता फर्त्याल पार्टी सुमनलता, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मल महरा, भाजपा जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा गोविंद प्रसाद, जनपद प्रभारी भाजपा गणेश भंडारी, महामंत्री मुकेश कलखुडिया, जिलाध्यक्ष एस सी प्रकोष्ठ मदन राम,ग्राम प्रधान नरसिंह डांडा कविता देवी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक अधिकारी, जनता मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद टम्टा द्वारा किया गया।

सर्व समाज के मसीहा हैं बाबा साहब आंबेडकर : रवि बहादुर

हरिद्वार, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)। ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के भिन्न भिन्न गांव में भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विधायक रवि बहादुर ने ग्राम खेड़ली, पूरनपुर, अहमदपुर ग्रांट, तेलीवाला, दादुपुर गोविंदपुर, मुजाहिदपुर सतिवाला, झिंडियान, अहमदपुर ग्रांट, बोंगला आदि गांव में पहुंचकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक रवि बहादुर ने कहा कि बाबा साहेब के बारे में बताना सूर्य को दीपक दिखाने के बराबर है। उन्हे पढ़कर ही समझा जा सकता है। वह सिर्फ दलितों के ही मसीहा नहीं हैं बल्कि सर्वसमाज के मसीहा हैं। उन्होंने सर्वसमाज के लिए संविधान बनाया। उनके बारे में जितना कहा जाए कम है। आज संविधान खतरे में है जिसे बचाना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रधान नीरज चौहान, प्रधान प्रवीण चौहान, प्रधान सुशील कुमार, प्रधान मांगेराम, प्रधान रूबी देवी, डा. नितिन, प्रवीण सैनी, महरुफ सलमानी, सैफ अली, अर्जुन कर्नवाल, अमन खुराना, मिथुन कुमार, योगेश कुमार, मदन लाल, अंकुश, गुलफाम अली, आदेश, अमन खुराना, शिवकुमार, मांगेराम, वेदपाल, महेश कुमार, श्रवण कुमार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

ज्वालापुर विधानसभा के विभिन्न इलाकों में धूमधाम से मनी डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती

नेहरू कॉलोनी में डकैती डालने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार, इस घटना को दिया था अंजाम

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। नेहरू कॉलोनी में स्कूल मालिक के घर डकैती डालने वाले पांच बदमाशों को नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार कर लिया है।एसएसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया की 11 अप्रैल को अज्ञात बदमाशों ने संदीप अग्रवाल निवासी नेहरू कॉलोनी के घर डकैती डाली थी। बदमाशों ने चाकू और तमंचे की नोक पर उनके सवजनों को बंधक बनाया और सोने के गहने व नकदी लूट ली।

पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो आरोपित एक एक्टिवा और एक मोटरसाइकिल में मुजफ्फरनगर के तरफ भागते हुए दिखे। घटना के चौथे दिन बाद पुलिस ने आरोपित विपिन निवासी पचेंडा कलां मुजफ्फरनगर उसके चार अन्य साथी विकास, सचिन, अंकित और विकास जायसवाल को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया।

उनके पास से डकैती में लूटा गया सारा सामान बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान बदमाश विपिन जोकि गिरोह का सरगना भी है, ने बताया कि उसका चचेरा भाई गुड्डू जो कि संदीप अग्रवाल के स्कूल सेंट ऐनी में काम करता है। वह उसके घर आता जाता रहता था। कुछ दिन पहले विपिन मुजफ्फरनगर से गुड्डू के घर आया और स्कूल मालिक संदीप अग्रवाल के बारे में पूरी जानकारी जुटा ली। बदमाश को शक था कि आजकल एडमिशन का सीजन है। इसलिए संदीप अग्रवाल के घर काफी रुपए होंगे, इसलिए उसने अपने चार अन्य साथियों को बुलाकर डकैती की घटना को अंजाम दिया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com